NCERT SOLUTIONS

CLASS - 9th

aglasem.com

Class: 9th
Subject : हिन्दी
Chapter : 12
Chapter Name : अग्नि पथ

Q1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

1 कवि ने 'अग्नि पथ' किसके प्रतीक स्वरूप प्रयोग किया है ?

2 'माँग मत,' 'कर शपथ', 'लथपथ' इन शब्दों का बार - बार प्रयोग कर कवि क्या कहना चाहता है?

3 'एक पत्र - छाँह भी माँग मत' इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

Answer

1. कवि ने अपनी कविता ' अग्नि पथ' में मानव के जीवन में आने वाली दिक़्क़तों और कठिनाइयों के स्वरूप में व्यक्त किया है। व्यक्ति का जीवन संघर्ष-पूर्ण होता है, परंतु सबको संघर्ष कर चलना ही पड़ता है। और जीवन में आने वाली कठिनाइयों का सामना भी करना पड़ता है, कवि का यह भी मानना है कि हमारा यह जीवन कठिनाइयों और चुनौतियों से परिपूर्ण और संकटों से भरा हुआ है।

2. 'माँग - मत,' 'कर शपथ','लथपथ' इन शब्दों का प्रयोग बार - बार करते हुए कवि ने जीवन में आने वाली कठिनाइयों को सहन करते हुए आगे बढ़ने कि सलाह अर्थात प्रेरणा दी है। उनका कहना है कि यदि रास्ते मुश्किलों से भरे हो तो घबराना नहीं चाहिए और न हीं हार मानकर रास्ता छोड़ना चाहिए | घबराना नहीं चाहिए और न हीं हार मानकर रास्ता छोड़ना चाहिए, को समझाने के लिए कवि ने इन शब्दों का प्रयोग बार - बार किया है।

3. इस पंक्ति से कवि का आशय यह है, कि चाहे राह में कितनी भी मुश्किलें या कठिनाइयाँ आए परंतु किसी की मदद या सहारे की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। मानव को उनका सामना स्वयं ही करते हुए अपने लक्ष्य की ओर बढ़कर उसे प्राप्त करना चाहिए।

Page : 105 , Block name : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

Q2 निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए।

1 तू न थमेगा कभी

तू न मुड़ेगा कभी

2 चल रहा मनुष्य है

अश्रु-स्वेद-रक्त से लथपथ, लथपथ, लथपथ

3. इस कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

Answer

1. इन पंक्तियों का भाव यह है, कि कष्टों से भरे इस राह में कभी रुकना और थमना नहीं हैं।

मानव जीवन कष्टों से भरा है, परंतु मनुष्य को केवल अपने लक्ष्य को ध्यान में रखकर कठिनाइयों और चुनौतियों से न घबराकर बस आगे बढ़ते जाना है और अपने लक्ष्य को प्राप्त करना हैं।

2. प्रस्तुत पंक्तियों में कवि का भाव यह है, कि संघर्ष करते हुए राह में सबसे मनोरम एवं सुंदर यही होता है, कि मानव अपनी मेहनत का पसीना बहाते हुए उस राह पर बढ़े चले जा रहा है। अपना पसीना बहाते हुए, खून से लथपथ होने पर भी बढ़ता चला जा रहा है। इससे उसकी हिम्मत और शक्ति भी कम हो जाती है,पर उसे अपने लक्ष्य की ओर बढ़ते जाना चाहिए और सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

3. 'अग्नि पथ' कविता कवि 'हरिवंशराय बच्चन' द्वारा लिखी गई एक प्रेरणा देने वाली कविता है, इस कविता में कवि मनुष्य को अपने संघर्षमयी जीवन में हिम्मत न हारने की प्रेरणा देने की कोशिश कर रहे हैं। कवि जीवन को आग से भरा हुआ मानते हैं और संघर्ष ही संघर्ष है,किंतु मनुष्य को घबराना नहीं चाहिए, और न हीं इससे मुँह मोड़ना चाहिए बल्कि बिना किसी सहारे की उम्मीद करें अपनी राह पर बढ़ते रहना चाहिए। अंत में ऐसे ही संघर्ष करने वाले पुरूषों का जीवन सफल होता है, और लक्ष्य की प्राप्ति होती है।

Page : 105 , Block name : इस कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

Q योग्यता विस्तार

'जीवन संघर्ष का ही नाम है' इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा का आयोजन कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page : 105 , Block name : योग्यता विस्तार

aglasem.com